पाठ 20. भारत के बालक

पाठ का परिचय

बच्चे अपने-आप पर गर्व करते हुए कहते हैं कि हमें गर्व है कि हम भारत के बालक हैं। इसे हमारा घमंड मत समझना क्योंकि हमसे सारा जग हारा है। हमने मित्र को प्रेम से तथा दुश्मन को ताकत से अपने वश में किया है। हम कभी किसी से लड़ना नहीं चाहते लेकिन लड़ने के लिए आने वाला सदा ही हमसे मात खाएगा। हमें अपने देश पर गर्व है। अपने इस देश पर हम सर्वस्व लुटा देंगे और हमेशा इस देश के झंडे की रक्षा करेंगे। हम अपने-आप को किसी से कम नहीं समझते हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

देशप्रेम सर्वोपरि है। देश के सम्मान का ध्यान रखना हमारा कर्तव्य है। इसकी सुरक्षा हमारा धर्म है। अपने देश की संस्कृति पर गर्व करना हमारा अधिकार है।

पाठ का वाचन

भूमिका स्पष्ट करने के बाद अध्यापक/अध्यापिका पहले कविता का पूर्ण हाव-भाव सहित पाठ करें। इसके बाद बच्चों को पढ़ने को कहें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्न प्रश्नों के आधार पर चर्चा करें –

- देशप्रेम को सबसे श्रेष्ठ क्यों कहा गया है?
- बच्चों से जानें कि देशप्रेम से जुड़ी कौन-सी कहानी उन्हें अच्छी लगती है।
- देश पर सर्वस्व कैसे लुटाया जा सकता है?
- यदि देश पर दुश्मन आक्रमण कर दे तो तुम क्या करोगे?